हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 14 जुलाई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

श्री कल्याणेश्वर महोदव की प्राण प्रतिष्ठा आज

मण्डला। माँ रेवा सेवा आश्रम सिलपुरा में श्री कल्याणेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण किया गया है इस भव्य मंदिर में आज 14 जुलाई दिन रविवार को भगवान श्री कल्याणेश्वर महादेव की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है यह कार्यक्रम प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगा शिव अभिषेक पूजन के बाद हवन एवं भण्डारे का आयोजन किया गया है इस धार्मिक आयोजन में पूज्य संतों की उपस्थिति रहेगी। माँ रेवा सेवा आश्रम की संचालिका साधवी मनीषानंद माता जी ने सभी श्रद्धालुओं से इस अवसर पर उपस्थित होकर धर्मलाभ उठाने की अपील की।

15 जुलाई को भाजपा नगर कार्यसमिति की बैठक

नैनपुर। नैनपुर नगर भारतीय जनता पार्टी की नगर कार्यकारिणी की बैठक आगामी 15 जुलाई को सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित की गई है। नैनपुर नगर अध्यक्ष दिनेश रजक ने बताया कि 15 जुलाई को नगर कार्यकारिणी की विस्तारित बैठक की जाएगी, जिसमें कैबिनेट मंत्री संपत्तियां उईके की उपस्थिति रहेगी एवं नगर के समस्त कार्यकर्ताओं को उनका मार्गदर्शन मिलेगा।

जेईई नीट कोचिंग क्लासेस 15 से

मण्डला। प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन 2.0 के तहत नीट तथा जेईई की कोचिंग क्लासेस 15 जुलाई से प्रारंभ हो रही हैं। ये कक्षाएं उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से 9:30 बजे तक संचालित होंगी। प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन 2.0 के तहत चयनित विद्यार्थियों को निर्धारित समय पर कोचिंग हेतु उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए शिविर 15 से

मण्डला। लम्बित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए 15 जुलाई से 26 जुलाई तक जिला पेंशन कार्यालय मंडला में पेंशन शिविर का आयोजन किया गया है। कलेक्टर ने सभी कार्यालयों को निर्देशित किया है कि जून 2024 तक के लम्बित पेंशन प्रकरण प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक अनिवार्य रूप से जिला पेंशन कार्यालय में जमा कर शिविर अवधि में ही निराकरण करना सुनिश्चित करें।

बरामदे में लग रही कक्षा पहली से पांचवीं तक की कक्षाएं

जर्जर भवनों में पढ़ने मजबूर देश का भविष्य

*** शाला भवन के कमरे हैं क्षतिग्रस्त।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले के अंतिम छोर में बसा वनांचल आदिवासी बाहुल्य विकासखंड मवई मध्यप्रदेश की अंतिम सीमा में बसा है। इसके बाद से छत्तीसगढ़ की सीमा लग जाती है। दो प्रदेशों के बीच में बसा यह आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र मवई आज भी विकास की दौड़ में पीछे है। मूलभूत सुविधाओं से यहां के वनांचल वासी वंचित है। इस मवई क्षेत्र ऐसे कई दूरांचल ग्रामीण क्षेत्र है, जहां मूलभूत सुविधाएं नाम मात्र की है। कहीं पहुंच मार्ग नहीं है, तो कहीं आज भी अंधेरे में जीवन यापन किया जा रहा है, तो कहीं शुद्ध पेयजल के लिए लोग तरस रहे है। शिक्षा, स्वास्थ्य समेत अन्य सुविधाएं विकास की बातें ही है, लेकिन इनकी जमीनी हकीकत देखी जाए तो विकास के नाम पर शून्य है। पूरे जिले भर में ऐसे कई प्राथमिक शालाएं है, जो जर्जर हो चुके है, जिनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। इन जर्जर शालाओं के कारण नौनिहालों की जान खतरें में है। संबंधित विभाग यदि समय रहते जिले की इस समस्या का निराकरण नहीं की तो कभी भी कोई बड़ी अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता है।

जानकारी अनुसार आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला में बेहतर शिक्षा के लिए शासन, प्रशासन द्वारा अभियान चलाने के साथ शिक्षा की गुणवत्ता का भी अवलोकन किया जाता है। लेकिन जर्जर शाला भवनों पर जिला प्रशासन की निगाहें नहीं जाती है। इन जर्जर भवनों से मासूम बच्चों की जान खतरे में बनी रहती है। यदि कोई अनहोनी हो जाए तो इसका जिम्मेदार कौन होगा। हम बात कर रहे है जिला मुख्यालय से 100 किलोमीटर दूर विकासखंड मवई के ग्राम अतरिया टिकराटोला की। जहां प्राथमिक शाला भवन जर्जर हो चुका है, जिसके कारण शासकीय प्राथमिक शाला टिकराटोला के शिक्षक बच्चों को भवन के बरामदें में पढ़ाने मजबूर है। आदिवासी वनांचल ब्लॉक मवई की ग्राम अतरिया के टिकराटोला में संचालित प्राथमिक शाला भवन अपनी कहानी स्वयं बया कर रहा है। इस शाला में ग्राम के नौनिहाल अपना भविष्य बनाने जर्जर भवन के नीचे पढऩे मजबूर है।

दो कक्ष फिर भी एक साथ संचालित हो रही कक्षाएं

प्रशासनिक उदासीनता के चलते जिले के ग्रामीण अंचल में संचालित शासकीय प्राथमिक शाला टिकराटोला में बच्चों को पढ़ाने के लिए दो कक्ष है। वहीं पहली से पांचवीं की कक्षा में 11 बच्चे दर्ज है। जिसके लिए यहां दो कक्ष बनाए गए थे। जिसमें पहली में 4, दूसरी में 4, तीसरी में 0, चौथी में 2, पाँचवी में 1 बच्चा है। इन 11 बच्चों को पढ़ाने के लिए यहां दो शिक्षक नियुक्त है। वहीं एक रसोईया भी है। बताया गया कि शाला भवन विगत तीन वर्षो से जर्जर है। बारिश के सीजन में कक्ष में पानी भर जाता है, छत से पूरे कमरें में पानी टपकता है। जिसके कारण बच्चे कक्ष के अंदर बैठकर पढ़ नहीं सकती है। तीन वर्षो से बच्चे बारिश के सीजन में भवन के बरामदें में ही पढ़ाई कर रहे है। अभी कुछ दिनों पूर्व बारिश के पहले ही कक्षाएं भवन के अंदर कक्षाओं में लग रही थी, लेकिन जर्जर अवस्था के कारण भवन की छत का मटेरियल गिरने लगा, जिसके कारण शिक्षक खतरे के अंदेशा के कारण बच्चों को बाहर बरामदें में पढ़ाने मजबूर है। वहीं शाला का किचिन भी दयनीय स्थिति में है।

जान जोखिम में डालकर पढ़ रहे थे बच्चे

बताया गया कि प्राथमिक शाला टिकराटोला का भवन की हालत अत्यंत दयनीय हो गई है। इस भवन को देखकर लग रहा है कि इस वर्ष शायद ये भवन अपना अस्तित्व खो देगा। शाला भवन इतना जर्जर हो चुका है कि विद्यालय के शिक्षक और बच्चे जान जोखिम में डालकर भवन के अंदर अध्ययन कार्य कर रहे थे लेकिन जब छत की पपड़ी नीचे गिरने लगी, ता बच्चों कक्षा से बाहर बरामदे में बैठाकर अध्ययन कार्य कराया जाने लगा। नौनिहाल भवन होने के बावजूद बाहर बरामदें में बैठकर अपना भविष्य बनाने पढ़ाई कर रहे है। इसे देखकर आधुनिक भारत की कल्पना करना और बड़े बड़े विकास के वायदे सब खोखले दिखाई देने लगते है। देश के भविष्य के ऊपर जान का खतरा मंडरा रहा ह।

बजट का रोते है रोना

प्राथमिक शाला टिकराटोला भवन की हालत को देखते हुए संबंधित विभाग और प्रशासन को लगातार अवगत कराते हुए आवेदन दिया जा रहा है, लेकिन प्रशासनिक अधिकारी बजट का रोना रोते नजर आते है। जिले में बड़े स्तर में सीएम राईज विद्यालय निर्माण कराए रहे है, इसके साथ ही शालाओं में कई गतिविधियां बड़े स्तर में भी कराई जाती है। बड़े-बड़े निर्माण कार्य भी कराए जाते है। लेकिन आने वाले भविष्य को संवारे शासन के पास बजट की कमी है। बेहतर उच्च शिक्षा का दावा करने वाले जिले की प्राथमिक शालाओं पर नजर दौड़ाए तो जमीनी हकीकत सामने आ जाएगी, लेकिन अधिकारियों को इन सबसे से कोई लेना देना नहीं है।

विधायक के नाम दिया आवेदन

ग्रामीणों का कहना है कि स्थानीय प्रशासन और जिला प्रशासन शायद किसी बड़े हादसे के इंतजार में है। जिसके बाद जिले के जर्जर शाला भवनों की तरफ इनका ध्यान जाएगा। यदि कोई घटना शाला भवन में हो गई तो इसका जिम्मेदार कौन होगा। शुक्रवार को विद्यालय के एसएमसी अध्यक्ष नीतम धुर्वे,पालकगण रंजना धुर्वे, गीता बाई, संतोष कुमार, सत्तू, रतनू, रामसिंह, रामकली ने क्षेत्रीय विधायक के नाम विधायक प्रतिनिधि ऐजाज खान को जर्जर शाला भवन के स्थान पर जल्द से जल्द नवीन भवन निर्माण कराने की मांग की है।

ठगी करने वाले आरोपी को बिछिया पुलिस ने किया जबलपुर से गिरफ्तार

*** एक लाख का लोन और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का एजेंट बनाने की थी ठगी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में स्वयं को लोन एजेंट बताकर लोन दिलाने के नाम पर बिछिया क्षेत्र में एक व्यक्ति ने कुछ लोगों को अपनी ठगी का शिकार बनाया। लोगों से दस्तावेज जमा कराकर एजेंट बनने के लिए 5500 रूपए प्रति व्यक्ति जमा कराकर मौके से फरार हो गया। जिसकी शिकायत पीड़ितों ने बिछिया थाने में दर्ज कराई थी। शिकायत पर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए ठगी करने वाले की पतासाजी शुरू की। जिसके बाद ठगबाज पुलिस की गिरफ्त में आ गया।

जानकारी अनुसार विगत माह 14 जून को पीड़ित रमेश कुमार पाटिल, राजेश कुमार धुर्वे, विशाल कुमार पारधी, बालवीर मरावी, रामकुमार पन्दे, राजेश यादव, जानकी परते द्वारा पुलिस अधीक्षक मंडला को ठगी होने की जानकारी से अवगत कराते हुए आवेदन दिया था। जिसमें बताया गया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में स्वयं को लोन एजेंट बताकर लोन दिलाने के नाम पर दीपक सिंह परिहार पिता हरप्रसाद परिहार 34 साल निवासी मकरोनिया बुजुर्ग थाना मकरोनिया जिला सागर हाल संजीवनी नगर जबलपुर द्वारा 1 लाख रुपए के लोन कराने के लिए एक व्यक्ति को सर्विस चार्ज के रूप में 3500 एवं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का एजेंट बनने के लिए 5500 एक व्यक्ति का बताकर अलग अलग लोगों से कुल 1 लाख 37 हजार रुपए की ठगी की।

इसके साथ ही अनावेदक द्वारा पैन कार्ड, आधार कार्ड पासबुक फोटो, समग्र आईडी के दस्तावेज जमा कराकर मौके से फरार हो गया। पुलिस अधीक्षक मंडला द्वारा उपरोक्त शिकायत पर थाना प्रभारी बिछिया को मामले की तत्काल जांच कर संबंधित के विरूद्ध विधिवत कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। थाना प्रभारी बिछिया द्वारा शिकायत की जांच में मिले तथ्यों के आधार पर थाना बिछिया में अपराध क्रमांक 256/24 धारा 419, 420 भादवि के तहत दर्ज कर विवेचना में लिया। विवेचना दौरान आरोपी की तलाश पतासाजी के लिए अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बिछिया के मार्गदर्शन में टीम गठित की गई। टीम को ठगबाज को पकडऩे रवाना किया गया।

टीम द्वारा आरोपी की तलाश जिला सागर के संभावित स्थानों पर की गई। जिसके बाद आरोपी के जबलपुर में होने की सूचना मिली। जिसके बाद पुलिस टीम गंगानगर जबलपुर से आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी से पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपना जुर्म कबूल किया।

बरसात के चलते पानी से लबालब हुआ नवीन स्कूल

*** नौनिहाल पानी में चलने मजबूर।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नैनपुर

बारिश का सीजन शुरू होते ही जहां चारों ओर हरियाली छा जाती है, वहीं दूसरी ओर इस बारिश से परेशानी का भी सामना करना पड़ता है। यही हाल नैनपुर नवीन हाई स्कूल का देखा गया, जहां पानी की निकासी न होने के कारण बरसात का पानी पूरे स्कूल परिसर में लबालब भर गया। स्कूल परिसर में पानी भर जाने के कारण नौनिहाल बच्चे बचते बचाते पानी में चलने को मजबूर हो गए।

जानकारी अनुसार विगत दिनों नवीन स्कूल परिसर में बारिश का पानी इस तरह भरा जिससे आने-जाने में बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कहने को सरकारी स्कूलों में कई योजना के अंतर्गत स्कूल परिसर हो या स्कूलों का उन्नयन सरकार कराती है। लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवासी कहें या प्रबंधन की कार गुजारी। आम जनता हो या स्कूलों के बच्चे जिन्हे ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। फिलहाल संबंधित अधिकारी या विभाग मामले को संज्ञान में लेकर ऐसी समस्या से स्कूली बच्चों को निजात दिलाए।

सुविधानुसार सुरक्षित स्थान में लगाएं एक पौधा

*** सरस्वती शिशु मंदिर हिरदेनगर में एक पौधा माँ के नाम पौधारोपण।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले भर में विगत दिनों से एक पौधा मां के नाम अभियान अंतर्गत

पौधारोपण कार्यक्रम विद्यालय, कॉलेज, सामाजिक संगठन, एनजीओ समेत आम नागरिकों द्वारा पौधारोपण किया जा रहा है। पौधारोपण अभियान के अंतर्गत हिरदेनगर में संचालित सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण में ग्राम पंचायत जनप्रतिनिधि एवं सरस्वती शिशु मंदिर स्टाप द्वारा पौधो का रोपण किय गया। रोपे गए पौधे में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। इस पौधारोपण अभियान में जनप्रतिनिधि, वृद्ध, महिला, बच्चों की उपस्थिति सराहनीय रही। पौधारोपण कार्यक्रम में मौजूद सभी जनों से कम से कम एक पौधा अपनी सुविधानुसार उचित स्थान में रोपित करने की अपील की गई। इस दौरान विद्यालय प्रागंण में जय प्रकृति जय पर्यावरण की ध्वनि से गुंजायमान रहा।

बहिष्कार

बस स्टैण्ड छोड़कर हाइवे में लगा रहे बसें।

अतिक्रमण को लेकर वाहन मलिकों का बहिष्कार

*** 02 दिनों से खाली पड़ा बस स्टैण्ड।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

नगर का एक मात्र बस स्टेंड अतिक्रमण अधिक हो जाने और अन्यत्र वीकल वाहन की धमाचोकड़ी अव्यवस्थित पार्किंग होने आवारा जानवरो का जमघट के साथ-साथ लीक से हटके दुकानदारों द्वारा दुकान लगाने सामने ग्राहक के वाहन के लिए पार्किंग नहीं छोड़ने के कारण सड़म पर वाहन खड़े कर शोपिंग करने, वही नुक्कर्ण ठेला ठिलिया लगे होने कारण यात्री वाहनों को आने-जाने में परेशानी होने से आय दिन विवाद मार-पीट झगड़ा लड़ाई होता है इसी व्यवस्था को बनाने वाहन की वाहन ऑनर्स द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के नाम ज्ञापन सौंपते हुए जब तक बस स्टैंड से अतिक्रमण नही हट जाता तब तक यात्री वाहनों को स्टैण्ड से बाहर एनएच हाइवे में खड़ा किया जा रहा है और बस स्टैंड पर शुक्रवार के दिन से यात्री वाहन नही आ रहे हैं वही हाइवे में रोज जाम की स्थिति निर्मित हों गई हैं जो कोई बड़ा हादसा को आमंत्रित कर रही है।

वाहन ऑनर्स ने बताया की बस स्टैंड में अधिक अतिक्रमण हो गया है जिससे बस चालक परिचालक को स्टैण्ड में बस खड़ी करने में समस्या का सामना करना पड़ता है और जिसके कारण हमेशा दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। उक्त विषय पर पूर्व में भी संबंधित विभाग को आवेदन दे चुके है लेकिन आज दिनांक तक निराकरण नही हुआ, अब जब तक उचित निराकरण नहीं होता हम बस स्टैंड का पूर्णतः बहिस्कार करते हुये हम अपनी बसों का अस्थाई ठहराव एनएच 30 पर बस खड़े कर रहे है। इस दौरान हाईवे पर कोइ दुर्घटना घटित होती है तो उसकी जिमेदारी शासन प्रशासन की होगी।

वाहन ऑनर्स ने बताया बस स्टैंड मे भारी समस्या है जिसमें स्टेंड के चबूतरे के आसपास फलफूल की दुकान, हाथ ठेला, चाय और नाश्ता होटल, मनिहारी दुकान, मोटर साईकिल, कार, बकरा-बकरी एवं आवारा मवेशी, नाई दुकान की टेबल खुर्सी, बस स्टेंड जाने के रास्ते में अतिक्रमण, इसके अलावा यह भी बताया की इन सबके दुकान के सामने बस खड़ी करने पर चालको को अभद्र गालियों का सामना और मारपीट करने लगते है।

रामनगर मार्ग निर्माण में अनियमितताओं की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/अंजनिया

दरअसल इन दिनों प्राइवेट पार्टनरशिप में एमपीआरडीसी के द्वारा अंजनिया खिन्हा रामनगर होकर रिपटा तक सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है जहां इस बारिश में सड़क निर्माण लोगों के लिए मुसीबत बन गया है, तो वही इस रोड से गुजरने वाले लोग के आलावा वाहन हादसे की वजह बन रहे है।

जानकारी के मुताबिक बताया जाता है कि पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप में सड़क विभाग एमपी आरडीसी के द्वारा अंजनिया से लेकर रामनगर के खिन्हा तक 74 किलोमीटर की दूरी में सड़क निर्माण कार्य करवाया जा रहा है लेकिन विभाग के द्वारा जमकर लापरवाही बरती जा रही है। रोड निर्माण विभाग के द्वारा कहीं भी सार्वजनिक स्थान हो या भवन वहा रोड किनारे आवाजाही मार्ग के पास गड्ढा खोदकर अवैध उत्खनन किया जा रहा है पर माइनिंग विभाग से लेकर जिला स्तर पर बैठे प्रशासनिक आला अधिकारी का इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं है वन क्षेत्रों में भी बगैर अनुमति के कार्य कराया जा रहा है।

74 किलोमीटर के मार्ग में, बिना बेस के डाली जा रही पुलिया

इस दौरान एमपीआरडीसी और प्राइवेट लिमिटेड पर यह आरोप लगते देखे जा रहे हैं कि बिना बेस के मार्ग में पुलिया डाली जा रही है, जो कुछ दिनों में जर्जर हो जाएगी। इसके अलावा ठेका कंपनी के द्वारा अंजनिया से रामनगर तक सड़क निर्माण कार्य मे उपयोग में आने वाली मुर्रम-मिट्टी को आसपास के गांव से जमकर निकाली जा रही है इससे माइनिंग को नुकसान पहुंच रहा है लेकिन प्रशासन के द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिससे ठेका कंपनी मनमानी कर रही है।

खबर संक्षेप

प्रतिबंध अवधि के दौरान आखिरकार किसके संरक्षण में किया जा रहा मछलियों का शिकार

गाडरवारा। समीपस्थ सांईखेड़ा पुलिस थाने के अंतर्गत जहां खुलेआम सट्टे के अवैध कारोबार से लेकर मादक पदार्थों की बिक्री जहां एक नया गौरव स्थापित करते हुये देखी जा रही है तो दूसरी ओर इस समय नर्मदा नदी सहित अन्य सभी प्रकार की नदियों में मछली का शिकार करने से लेकर उनके परिवहन व विक्री पर जिला कलेक्टर द्वारा 15 अगस्त तक के लिये प्रतिबंध जारी किया गया है। मगर हैरत की बात है कि सांईखेड़ा बाजार में जहां पुलिस अधिकारियों की आंखों के सामने मछली की बिक्री होते हुये देखी जा रही है तो सांईखेड़ा पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले नर्मदाजी के अनेक घाटों में दिन भर मछलियों का शिकायर होते हुये देखा जाना आम बात बनी हुई है। जबकि गौर किया जावे तो बीते हुये 15 जून को जिला कलेक्टर द्वारा मछलियों के शिकार करने से लेकर उनके परिवहन व विक्रय करने पर रोक लगाने के स्पष्ट आदेश जारी करने के साथ साथ कार्यवाही करने का जिम्मा पुलिस अधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों को सौपा गया है। मगर इसके बाद भी जिस तरह सांईखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत नर्मदा नदी में खुलेआम जहां तहां हो रहे मछली के शिकार तो दूसरी ओर सांईखेड़ा मुख्य बाजार में मछली की बिक्री होना निश्चित तौर से सांईखेड़ा पुलिस की भूमिका को संदेह के घेरे में लाने से नही चूक रही है? इस सच्चाई को देखते हुये लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि आखिरकार किसके संरक्षण में चल रहे है यह अवैध कारोबार? यदि मछलियों के शिकार की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो इस समय सांईखेड़ा थाना के अंतर्गत आने वाले ग्राम टुईयापानी सहित आसपास लगे हुये अनेक घाटों पर लोगों द्वारा दिन भर मछलियों का शिकार करते हुये उन्हें विक्रय करने के लिये सांईखेड़ा परिवहन करने से नही चूक रहे है। मगर इसके बाद भी सांईखेड़ा पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार से कोई कार्यवाही न करना जहां एक ओर जिला कलेक्टर के आदेश को ग्रहण लग रहा है तो दूसरी ओर पुलिस की भूमिका संरक्षण की मुद्रा में प्रतीत होने से नही बच पा रही है?

सरकारी भूमि पर कब्जा कर पट्टा प्राप्त करते हुये विक्रय करने का गोरख धंधा जोरों पर

गाडरवारा। इस समय नगर में जहां तहां पड़ी हुई शासकीय भूमि पर जिस प्रकार से अतिक्रमण हो रहा है उसे देखकर यह जान पड़ने लगा है कि शायद प्रशासन द्वारा अपनी आंखे बंद करते हुए अतिक्रमण कारियों को मौन स्वीकृति प्रदान कर दी गई है जिसके चलते लोगों द्वारा खुलेआम शासकीय भूमियों पर अपनी झोपड़ी नुमा टपारियाँ बनाते हुए उन्हें चंद रूपयों में बेचकर दूसरे जगह स्थापित हो रहे है? इस संबंध में बताया जाता है कि नगर के अनेक वार्डो में जहां शासकीय भूमि पड़ी हुई है जिस कुछ बाहरी लोगों द्वारा नगर में आकर रातो रात अपनी झोपड़ी नुमा टापरियों का निर्माण कर लिया जाता है जिनमें कुछ दिनों तक वह निवास करते है और इसके बाद चंद रूपयों में अन्य दूसरे बाहरी व्यक्ति को बेचते हुए खाली पड़ी हुई अन्य शासकीय भूमि पर रातो रात कब्जा करते हुये अपनी झोपड़ी का निर्माण करने के साथ शासकीय संपत्ति को अपने कब्जे में करने से नही चूकते है? इस प्रकार की सच्चाई के चलते जहां नगर की शासकीय भूमि तो अतिक्रमण की भेंट चढ़ ही रही है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि दूसरे क्षेत्रों से आये हुए लोगों द्वारा नगर में जहां तहां झोपड़ी बनाते हुए किये जा रहे गोरखधंधे के चलते अन्य अपराध भी जन्म ले रहे है? बताया जाता है कि जब यह लोग क्षेत्र के किसी गांव या फिर दूसरे शहर से आकर यहां पर झोपड़ियों का निर्माण करते हुए उनमें निवास करने लगते है तो प्रशासन द्वारा इनकी कोई खोज खबर नही ली जाती है कि आखिर में यह लोग यहां पर कहा से आये है और क्यों आये है तथा इनके द्वारा जिस भूमि पर अपनी झोपड़ी का निर्माण किया गया है वह जगह सही मायने में है किसकी ? इस प्रकार से प्रशासन की उदासीनता के चलते जहां नगर की शासकीय भूमि अतिक्रमण में भेंट तो चढ़ ही रही है।

बदहाली का शिकार हो रहे ग्रामीण क्षेत्रों में शासन द्वारा बनाये गये लाखों की लागत के यात्री प्रतिक्षालय, दिन भर होती है शराब खोरी, बस यात्री नहीं कर पाते है यात्री प्रतिक्षालय उपयोग

गाडरवारा। सरकार की विकास वादी सोच के चलते निश्चित तौर विकास होते हुये तो देखा जा रहा है। मगर कुछ विकास इस तरह से देखने मिल रहा है जिसमें पैसा खर्च होने के बाद भी उसके औचित्य पर सबासल खड़े होने से नही चूकते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई सरकार द्वारा गांव गांव बन बाये गये यात्री प्रतिक्षालयों को देखते हुये जान पड़ रही है। यदि इन यात्री प्रतिक्षालयों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो नगर का यात्री प्रतिक्षालय जहां नगर पालिका प्रशासन की देख रेख में निर्माण होना हो रहा है जिसकी गति इस तरह से देखी जा रही है कि शायद इस समय जिन पेडो का रोपण किया जा रहा है वह फल देना शुरू कर देगे तबतक पूर्ण हो पायेगा..? इस स्थिति में बस यात्री धूप में खड़े होकर बसों कास इंतजार करते हुये देखे जाते है तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में बने हुये यात्री प्रतिक्षालय बदहाली का शिकार होते हुये देखे जा रहे है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के गांवों में शहर के बस स्टेण्ड से बहुत सी बसे आती जाती है। परंतु जहां तक बस स्टेण्ड का सवाल है तो उसमें इतनी अधिक अव्यवस्था व्याप्त है कि बस यात्रियों को वहां बसों के आने के समय बैठना तक मुश्किल हो रहा है। इसी प्रकार का हाल गांवों में बने हुये यात्री प्रतिक्षालयों का देखने मिल रहा है जिसके चलते वह अनुपयोगी साबित होने से नही चूक रहे है। ज्ञातव्य है कि पूर्व वर्षो में क्षेत्र के अनेक ग्रामों में शासन-प्रशासन की ओर से चबूतरे, यात्री प्रतीक्षालय बनवाये गये थें जिसमें सांसद से लेकर विधायक निधि का भी उपयोग हुआ है। मगर हैरत की बात है कि लाखों की लागत से बनये हुये यह यात्री प्रतिक्षालयों का रख रखाव न होने की स्थिति में वह बदहाली का शिकार होकर रह गये है और शराब खोरी का अड्डा बन जाने के कारण उनका बस यात्री उपयोग ही नही कर पा रहे है। इस तरह क्षेत्र के अनेक ग्रामों में बनये हुये इन यात्री प्रतिक्षालयों की स्थिति तो इस प्रकार से देखने मिल रही है कि उनमें गेट नही होने के कारण शराब खोरी करने वालों के लिये एक सुविधा जनक अड्डा बनकर रह चुके है जिसके चलते दिन भर वहां पर शराब खोरी करने वालों का हुजूम लगने से नही चूकता है, जिसमें अधिकतर ग्रामों के यात्री प्रतिक्षालय अनुपयोगी हो गए है? ग्रामीणों की माने तों कई गांवो मं बने यात्री प्रतीक्षालयों में मवेशियों के प्रवेश, मनचाहे लोगों की बैठक होने से गंदगी व्याप्त होते हुये देखी जा रही है। क्षेत्र में अनेक जगहों पर तो सच्चाई इस प्रकार से देखने मिलती है कि गांवों में बने हुए यह यात्री प्रतीक्षालय पूर्णरूप से शराब खाना बनकर रह गये है जिनमें लोग 24 घंटे शराब पीते हुए दिखाई देते रहते है और प्रतिक्षालयों के अंदर ही शराब की खाली बाटले छोड़कर चलते बनते है? नतीजतन ग्रामों के निवासियों ने यात्री प्रतीक्षालयों का उपयोग बंद कर सड़क पर खड़ होकर बसों की प्रतीक्षा करना बेहतर समझा और वर्तमान में स्थिति यह हो गयी कि क्षेत्र के बहुत से ग्रामों मं बने यात्री प्रतीक्षालयों की दशा शोचनीय होती चली जा रही है। हरिभूमि टीम से चर्चा करते हुए नगर के बिन्नू ठकुर ने कहा कि गांवों में बस यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर यात्री प्रतीक्षलय बनाने में सरकार न लाखो रूपए खर्च किए पर अफसोस की बात है कि इन यात्री प्रतीक्षालयों में इस तरह की सहूलियतें नही दी गयी, जिससे बस यात्री गर्मी, बारिश के समय में इनके अंदर बैठकर बसों के आने का इन्तजार कर सके। कई गांवों में यात्री प्रतीक्षालय दुर्दशा के शिकार है, प्रशासन को इन पर ध्यान देकर बस यात्रियो को नए सिरे सुविधा देने पर विचार करना चाहिए। वही ग्राम भौरझिर निवासी तुलसीराम राठौर के अनुसार ग्रामीण अंचल के बस यात्रियों के बैठने के लिए यात्री प्रतीक्षलयों के निर्माण को काफी वक्त हो गया। लेकिन विडम्बना की बात है कि इन यात्री प्रतीक्षालयों को व्यवस्थित रखने के दायित्व की सम्बंधित संस्थाओं ने अनदेखी की जिसका परिणाम है कि कई गांवों में बने यात्री प्रतीक्षालय बिना उपयोग की इमारतों में तब्दील होकर रह गए है। आश्चर्य की बात है कि बस यात्रियों को किसी भी तरह की सुविधा देने प्रशासन तैयार नही है। ग्राम मऊ निवासी राधे श्याम कौरव का कहना है कि क्षेत्र के कई गांवो के केंद्र माने जाने वाले ग्रामों में यात्री प्रतीक्षालय कम से कम दो बनाये जाने थे, किन्तु वहां सिर्फ एक यात्री प्रतीक्षालय बनाकर उसे उपेक्षित छोड़ दिया गया है। जिससें बस यात्रियों को दिक्कत हो रही है। गॉवों के यात्री प्रतीक्षालयों की नियमित साफ सफाई की व्यवस्था के साथ उनमें दरवाजे लगवाने की पहल की जाना चाहिए। इसी प्रकार से ग्राम सडूमर निवासी भोजराज साहू का कहना है कि गॉवों में यात्री प्रतिक्षालय तो बना दिए गए पर उनमें सुविधाओं का अभाव होने से उनके निर्माण का औचित्य पूरा नही हुआ? यात्री प्रतीक्षालयों में पेयजल, निस्तार की सुविधा न होने से महिलाओं, बच्चों को परेशान होना पड़ता है और जब सड़क पर ट्रेफिक ज्यादा होता ह उस दौरान होटलों या सड़क किनारें खड़े होकर उन्हे बसों के आने की प्रतीक्षा करनी पड़ती है। यह सच्चाई है कि क्षेत्रीय गांवों के निवासी कहीं आनेजाने के लिए बसों की यात्रा पर ही निर्भर है, इसलिए जरूरी है कि यात्री प्रतीक्षालयों की दशा में सुधार की दिशा में प्रशासन को गंभीरता का परिचय देना चाहिए।

एक साल पहले शुरू हुई प्रदेश के युवाओं के सपनों को पंख लगाने वाली सीखो और कमओ योजना का कितने युवाओं को मिला लाभ शायद ही किसी को पता हो...?

गाडरवारा। जिस तरह केन्द्र से लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा आमजन को लाभ पहुंचाने की सोच रखते हुये योजनाये चला रही है उसके चलते निश्चित तौर से जहां लोगों के चेहरों पर मुस्कान देखने मिल रही है। क्योंकि केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना ने जहां लोगों के पक्के आवासों में निवास करने को सकार करने के सपने को पूरा किया गया है और जो लोग कभी पक्के मकानों में रहन की सोच भी नही सकते थें आज वह पक्के मकानों में निवास करते हुये देखे जा रहे है तो दूसरी ओर प्रदेश सरकार द्वारा भी हर वर्ग के लोगों को अलग अलग योजनाओं के माध्यम से लाभ पहुंचाया जा रहा है। वही दूसरी ओर बीते हुये साल प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के लिये लाड़ली बहना योजना ने जहां महिलाओं के चलते उनके चेहरों पर मुस्कान लाने के साथ साथ बीते हुये 2023 के मिशन को भी पूरा कर लिया गया है। कुछ इसी प्रकार से युवाओ के लिये भी सरकार द्वारा सीखो कमाओं की योजना जो बीते हुये साल शुरू की गई थी जिसका लाभ बेरोगार युवाओं को मिलने की संभावना बताई जा रही थी वह योजना अचानक कहा गायब हो गई इस सच्चाई को हर पढ़ा लिखा युवा खोजते हुये नजर आनें नही चूक रहा है? जिस तरह सरकार द्वारा इस योजना को लाभ लेने के लिये युवाओं को प्रेरित करने के लिये कैम्प लगाने की बात कही गई थी। तथा कहा जा रहा था कि प्रदेश के युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए 'सीखो, कमाओ योजना निश्चित तौर से युवाओं के सपनों को पंख लगाने से नही चूकेगी। मगर यह योजना कहा गायब हो गई इस योजना से कितने लोगों को लाभ मिला यह बात हर व्यक्ति के दिल में उठने से नही चूक पा रही है? क्योंकि प्रदेश की एक साल पहले शुरू हुई सीखो कमाओ योजना से युवाओं को जोड़ने के लिये कहा गया था अभियान चलाएगा। क्योंकि प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा इस योजना का 4 जुलाई 2023 को जिस 'सीखो कमाओ योजना' का शुभारंभ किया था उसे एक अद्भुत और अभूतपूर्व योजना बताया जा रहा था। बताया गया था कि इस योजना के माध्यम से किसी भी धंधे के गुण तो सिखाये ही जावेगे साथ ही साथ युवाओं को निर्धारत रूप से भत्ता भी प्रदान किया जावेगा। जिसके चलते युवा अलग अलग धंधे में निपुण होने की कला सीखते हुये नया रोजगार स्थापित करने में सक्षम बनेगे। इस योजना के तहत प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को प्रदेश सरकार की ओर से 8 हजार, 8.5 हजार, 9 हजार और 10 हजार रुपये स्टायपेंड दिया जाएगा। इस तरह गौर किया जावे तो इस योजना को शुभारंभ हुये पूरा एक साल का समय बीत चुका है। मगर इस आयोजना का लाभ नगर के कितने युवाओं को मिला है इस बात का पता गाने की जिज्ञासा हर व्यक्ति के मन में उठाने से नही चूक रही है। आमजन द्वारा शासन प्रशासन से मांग की जा रही है कि एक साल में इस योजना का कितने युवाओं ने लाभ लिय और कितने युवाओं द्वारा अपना रोजगार स्थापित किया गया है इसकी सूची सार्वजनिक कते हुय सच्चाइई से अवग कराया जावे। कही ऐसा तो नही हो रहा है क सरकार द्वारा चलाई जा रही अन्य योजनाओं के तहत यह योजना भी मात्रा कागजों पर ही सफल होते हुये देखी जा रह है। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा आमजन के हितों को लेकर योजनाये चलाती है। मगर मैदानी तौर पर देखा जावे तो सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों की जगह अधिकारियों की मिलीभगत के चलते अपात्र लोग उठाते हुये मालामाल होन स नही चूक पाते है? क्योंकि केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधान मंत्री आवास योजना की सच्चाई पर गौर किया जावे तो उसके सही पात्र व्यक्ति आज भी भटकते हुये देखे जा रहे है।वही दूसरी ओर जो साधन संपन्न लोग है। वह अधिकारियों की मिली भगत के चलते अपने पहले से भी हुई बिल्डिगों पर आवास योजना का लाभ लेते हुये उन्हें डबल मंजिल कने से नही चूक रहे है। जबकि इस योजना के नियमों पर नजर डाली जावे तो इस योजना का लाभ उन गरीबो को मिलना चाहिये था जिनके कच्चे मकान है या फिर पूर्णरूप से आवास हीन है और हितग्राही जमीन पर ही मकान बनायेगा। मगर नगर से लेकर गांव गांव जमी के जगह पहले से बनी हुई बिल्डिगों के ऊपर इस योजना के हितग्राहियों के लेंटर डलते हुये देखे जा रहे है। शासन द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री आवास से लेकर अन्य योजनाओं की यदि बारीकी से जांच की जावे तो निश्चित तौर से शहर में चौकाने वाले नजारे सामने आने से नही चूक पायेगे और इस योजना का निर्वाहन करने वाले अधिकारी भी बेनकाब होने से नही बच पायेगे।

हसनी हुसैनी सोसायटी ने निकाला विशाल परचम जुलूस

गाडरवारा। ज्यों ज्यो मोहर्रम की तारीख समीप आती जा रही है त्यों त्यों हलचलों में इजाफा होते हुये देखा जा रहा है। इसी के चलते बीते हुये दिवस हसनी हुसैनी सोसायटी द्वारा मोहर्रम की 4 तारीख को बाद नमाज मगरिब परचम ए अब्बास अलमदार का खुशनुमा अंदाज में आलीशान जलसा शहनाई के साथ या हुसैन की सदाएं लगाते हुए शक्ति चौक से परचम जुलूस निकाला गया जो शहर के मुख्य मार्गो से होता हुआ वापस शक्ति चौक पहुंचा । यह जुलूस शिवालय चौक, गंज स्कूल, पुरानी गल्ला मंडी, नए बस स्टैंड बावली अखाड़े पर पुष्प वर्षा कर जलसा जुलूस का इस्तकबाल किया गया । शहनाई की धुन पर शहीदी कलाम के साथ सफेद लिबास में नौजवान मोहब्बत का पैगाम देते हुए चल रहे थे । जुलूस में शहीदाने कर्बला की शान में बनाई गई प्रतिकृति को नौजवान एहतराम के साथ सिर पर लेकर चल रहे थे । परचम अब्बास अलमदार जुलूस के बाद हाफिज जुबेर आलम साहब ने शक्ति चौक पर नियाज फातिहा पेश कर दुआएं मांगी, मोहर्रम पर शक्ति चौक को दुल्हन की तरह सजाया गया है कर्बला शरीफ की शान में झांकी तुगरा तैयार किया गया है जो मुख्य आकर्षण का केंद्र बिंदु बना हुआ है। वही जायरीन यहा पर दीदार करने के लिए आ रहे हैं । वही बताया जाता है कि मोहर्रम की 5 तारीख से 10 तारीख तक प्रतिदिन बाद नमाज मगरिब नियाज फातिहा और लोबान चढ़ाया जाएगा ।

वरिष्ठता सूची के परीक्षण हेतु शिविर का किया गया आयोजन

गाडरवारा। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग एवं जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के आदेशानुसार क्षेत्र के साईंखेड़ा एवं चीचली ब्लॉक के शासकीय स्कूलों में पदस्थ सहायक शिक्षकों एवं प्राथमिक शिक्षकों की वरिष्ठता सूचियों के परीक्षण के लिए विकास खण्ड स्तरीय शिविरों का आयोजन ब्लाक शिक्षा कार्यालय गाडरवारा एवं चीचली में अलग अलग किया गया। बताया जाता है कि संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग द्वारा पिछले दिनों जिले के सहायक शिक्षकों एवं प्राथमिक शिक्षकों की वरिष्ठता सूचियों का प्रकाशन किया गया था एवं इनके परीक्षण के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारियों को दिए गए थे। इन्ही निर्देशों के चलते सबसे संकुल स्तर पर सहायक एवं प्राथमिक शिक्षकों से आवश्यक दस्तावेजों की फाइलें जमा कराई गई एवं उनका परीक्षण किया गया तत्पश्चात दोनों ब्लाक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सेवा पुस्तिकाओं से मिलान करते हुए शिक्षकों की जानकारी को कम्प्यूटर पर अपलोड किया गया। साईंखेड़ा ब्लॉक में ब्लाक शिक्षा अधिकारी प्रतुल इंदुरख्या एवं चीचली ब्लॉक में नीलम मरावी के निर्देशन में पिछले 2 दिनों से गठित टीम द्वारा देर शाम तक परीक्षण कार्य किया गया। साईंखेड़ा कार्यालय के लिपिक अमित पटैल ने बताया कि हम लोगो ने संकुल प्राचार्यो, शिक्षकों, लिपिकों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटरों की सक्रियता व कुशल कार्यशैली से 90 फीसदी से अधिक कार्य पूर्ण कर लिया है । शेष कार्य भी जल्द निपटा लेंगे। उल्लेखनीय है कि उक्त कार्य की सतत मॉनिटरिंग डीईओ एवं संयुक्त संचालक कार्यालयों से की जा रही है।

सुअरों के विचरण पर नियंत्रण न लगने से शहर में फैला आक्रोश, पुलिस लाईन में सूकरों का जमावड़ा

गाडरवारा। स्वाईन फ्लू जैसी जानलेवा बीमारी के वायरस फैलाने में अहिम माने जाने वाले सुअरो के खुलेआम विचरण पर प्रभावी नियंत्रण न लगने का परिणाम है कि सैकड़ो की तादाद में रोज नगर में सुअर झुंड में घूमते हुए देखे जा रहे है तथा इस स्थिति के चलते लोगों दहशत फैला रहे है, जिससे मुक्ति मिलना फिलहाल शहरवासियों को कठिन जान पड़ रहा है? गौरतलब है इन दिनों नगर के नए बस स्टेण्ड, डमरू घाटी क्षेत्र, स्टेशन इलाके के आलवा नगर के वार्डो, कालोनियो सहित शुक्रवारा सब्जी बाजार में तो सुअरों की उन्मुक्त विचरण लीला लगातार जारी है ही साथ ही सुअरो ने अब शहर के थाने की पुलिस लाईन को भी अब अड्डा बना लिया है। क्योंकि इस समय चल रहे बारिश के मौसम में पानी से बचने के लिये गहरी छाव सबसे अधिक प्रिय होती है जिसके चलते वह लोगों के घरो के पास बनी रहने वाली छाव में धमाचौकड़ी मचाते हुये देखे जा रहे है। जहां पर बताया जाता है कि ये सुअर पुलिस लाईन के परिसर के अलावा नगर की अनेक कालोनियों व वार्डो में गंदगी व्याप्त कर रहे है और इनकी दहशत से नगरवासियों के बच्चों को भी परेशान होना पड़ रहा है। इसी प्रकार से जब आसमान में तेज तपन होती है तो यह सुअर ठंडक पाने के लिये नगर की गल्ला मंडी के एक शेड के पीछे बड़े गड्ढे में पानी भरा रहने से वह सुअरो की शायद पसंद आ गया है। इसलिए इस गड्ढे में रात दिन सुअरों का जमावड़ा लगा रहता है और मौका मिलते ही ये अनाज की ढेरियों के पास पहुँच किसानों को परेशानी में डाल देते है। नगर के शुक्रवारा के पास सब्जियो की दुकानें लगाने वालों का कहना है कि आवारा सुअरो के विचरण से उन्हे सब्जियो की सुरक्षा करनें मुश्किल हो रहा है। वही दूसरी ओर शहर के वाहन मालिकों ने बताया कि चौराहो, मुख्य सड़कों पर सुअरों के घूमने से यातायात व्यवस्था पर भी दुष्प्रभाव पड़ रहा है और कभी कभी इन सुअरो की धमाचौकड़ी से वाहन चलाना भी मुश्किल हो रहा है। इसी तरह मस्जिद, मंदिरो के इर्द गिर्द प्रति दिन शूकरो के घूमने से इन पवित्र जगहो पर जाने में भी श्रद्धालुओं को दिक्कत हो रही है। वर्तमान में युवा तक परेशान है और उन्हे आशंका है कि कहीं ये सुअर नगर में घातक बीमारी फैलाने का सबाव न बन जाएँ? उल्लेखनीय है कि नपा. की ओर से पूर्व में कई बार सार्वजानिक ऐलान कर सुअर पालको को चेताया जा चुका है कि वे अपने पाले गए सुअरों को दड़बों में कैद रखे। मगर सच्चाई यह है कि नपा. की इस चेतावनी का सुअर पालको पर असर नही हुआ है, जिसका नतीजा है कि आवारा सुअरो के चहुँओर विचरण की समस्या दिनों दिन गहरी होती चली जा रही और शहरवासी आक्रोशित होते चले जा रहे है।

योजनाओं से वंचित है कृषक, अधिकारी नहीं देते है ध्यान?

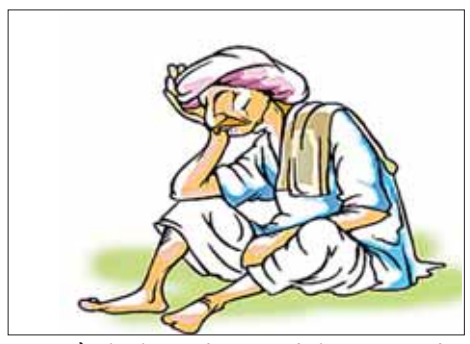

हरिभूमि न्यूज/सिहपुर छोटा। वैसे देखा जावे तो सरकारों ने कृषकों के लिए अनेक लाभ कारी योजानायें तैयार की है और कृषकों के हित ओर संरक्षण का दावा समय समय पर किया जाता है। लेकिन यह एक सोचनीय पहेलू है कि इन योजनाओ का लाभ कृषको तक कैसे पहुंचता है? ऐसा लगता है कि कृषको के हित संरक्षण हेतु कृषि विभाग के अधिकारियों की उदासीनता बढ़ती जा रही? ज्ञातव्य है कि सरकार ने कृषको की सहायता मार्ग दर्शन तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए उन्नत तकनीको से अवगत कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग बनाया है, लेकिन ग्रामीण अंचलों में कृषकों को विभाग द्वारा जानकारी सुलभ नही कराई जा रही है, जिससे समसमायिक जानकारी कृषकों को नही मिलती है। कृषि विभाग के अधिकारियों की उदासीनता के कारण शासन की अनेक लाभकारी योजनाओं का लाभ कृषकों को नही मिल पा रहा है, जिससे उनकी कृषि पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। क्षेत्र के कुछ रोषित कृषको ने बताया कि कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ साधन सम्पन्न कृषकों को दिया जाता है, जिससे गरीब कृषक शासन की योजनाओं से वंचित रह जातें है। पूर्व में भी अनेको बार जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियो को ध्यान कृषि विभाग के अधिकारियों की मनमानी कार्यप्रणाली की ओर आकर्षित किया गया था, जिस पर कुछ दिन तो विभागीय अधिकारी चोकन्ने हुए थें, किन्तु धीरे धीरे पुनः उसी चाल में आ गये है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के आकाशवाणी केन्द्रों से ग्रामसभा कार्यक्रम में कृषि से संबंधित जानकारियां ग्रामीणजनो को दी जा रही है, जिसमें इन जानकारियों में लगभग सभी प्रकार की फसलों की अधिक पैदावार लेने से गुड, फसल बीमा, जैविक फसल व रबी फसलो का कीटों से बचाव गोबर गैस आदि विषयों की सूक्ष्म जानकारी दी जाती है। गौरतलब है कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की नियुक्ति ग्रामीण कृषि विस्तार अंचलों में हुई है, परंतु यदि गणना की जाये तो पता चलता है कि अधिकतर अधिकारी अपने मुख्यालय को छोड़ समीपस्थ कस्बो व नगरों में निवास कर रहे है, जिससे विभागीय अधिकारी भी परिचित है पर बिल्ली के गले में घंडी कौन बांधें।

दुकानों से लेकर वाहनों में भी धड़ल्ले से हो रहा घरेलू गैस का उपयोग, प्रशासन की भूमिका बनी संदिग्ध?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। यह बात अलग है कि इस समय लोगों को गैस आसानी से उपलब्ध होते हुये देखी जा रही है। मगर वही दूसरी ओर घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग प्रतिबंधित हैं। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि नगर में जहां खुलेआम घरेलू गैस को नियम विरूद्व तरीके से दुकानों पर व्यवसायिक रूप से उपयोग हो रहा है। इस बात की सच्चाई नगर में चल रही अनेक होटलों से लेकर अंडा दुकानों से लेकर जहां तहां आयोजित होने वाले समारोहों में धडल्ले से घरेलू गैस का उपयोग होते हुये देखा जा रहा है। मगर हैरत की बात है कि जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जिस प्रकार से सच्चाई का नजर अंदाज किया जा रहा है वह निश्चित ही चर्चा का विषय बनने के साथ साथ अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े करने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि नियम के अनुसार घरेलू गैस का उपयोग सिर्फ घर के रसोई घरों में ही किया जा सकता है। मगर प्रशासन की अनेदेखी का परिणाम है कि रसोई गैस सिलेण्डरों का उपयोग धडल्ले से जहां समारोहो से लेकर अन्य कार्यक्रमों में होने के अलावा सड़क किनारे चलने वाले चाय नास्ता सहित अंडा दुकानों पर तक धडल्ले किया करते हुये देखा जा रहा है। इतना ही नही यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो गैस चलने वाले वाहनों में तक इस प्रकार से गैस किटों में घरेलू गैस सिल्डरों के माध्यम से गैर पलटी करते हुये वाहनों को दौड़ाया जा रहा है? मगर पता नही प्रशासन के अधिकारियों द्वारा इन रसूखदार मालिको के बड़े प्रतिष्ठानो पर कार्यवाही करने की हिम्मत क्यो नही जुटा पा रहे है यह सच्चाई चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रही है? जबकि घरेलू गैस के दुरूपयोग को रोकना खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की जिम्मेदारी है मगर विभाग द्वारा दिखाई जाने वाली सुस्ती से घरेलू उपभोक्ताओं के हक पर डाका डाल रहे होटल संचालको व अन्य व्यवसायियो के हौसले बुलंद नजर आने से नही चूक पा रहे है। रसोई गैस में दौड़ रहे वाहन- इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो क्षेत्र मे सैकड़ो की तादाद में सीएनजी ईधन से चलने वाले वाहन दौड़ रहे है वही दूसरी ओर जिले में कही भी सीएमजी रिफलिंग सेन्टर नही है, जो वाहन चालक अपने वाहन में वास्तव में सीएनजी भराना चाहता है उसे किसी दूसरे बड़े महानगरों के रिफलिंग सेन्टर जाना पड़ेगा, ऐसे में अब प्रश्न यह उठता है कि इन्हे सीएनजी गैस टेंक में डालने कहां से मिलती है जाहिर सी बात है उपभोक्ताओं के हिस्से की टंकी इन्ही वाहनो में रिफिल किये जाने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? जबकि देखा जावे तो इस प्रकार से रसोई गैस से वाहनो को दौड़ाने के चक्कर में आये दिन किसी ने किसी शहर में हादसे होने की खबर आती रहती है मगर इसके बाद भी प्रशासन का रवैया गैर जिम्मेदाराना होना अनेक प्रकार की चर्चाओं को जन्म देते हुये जान पड़ रहा है।

खबर संक्षेप

शुद्ध पेयजल प्रदाय के लिए प्रतिबद्ध लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जिला डिंडौरी के द्वारा जल जीवन मिशन के तहत जिले के ग्राम वासियों के बीच जाकर विभागीय जिला सलाहकार ,विकासखंड समन्वयक एवं कार्यरत क्रियान्वयन सहायक संस्था आई. एस. ए. के माध्यम से जल परीक्षण किट के द्वारा पेयजल के गुणवत्ता के परीक्षण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जल जनित बीमारियों से रोकथाम हेतु जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक ग्राम की 5 महिलाओं को जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रशिक्षण दिया जाता है एवं निःशुल्क किट प्रदाय किया जाता है जिससे ग्राम स्तर में ही जल गुणवत्ता की जानकारी मिल सके। वर्षा ऋतु में जल प्रदूषित होने की अत्यधिक संभावनाएं होती है अतः विभाग पेयजल शुद्धिकरण के लिए भी प्रतिबद्ध होकर क्लोरिनेश किया जा रहा है तथा ग्रामवासियों को जर्मेक्स प्रदाय किया जा रहा है।

विभिन्न मांगों को लेकर मोबिलाइजर संघ ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज मेंहदवानी। पेसा मोबिलाइजर संघ मेंहदवानी ने शुक्रवार को मंडला सांसद एवं पूर्व मंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते के मेंहदवानी आगमन पर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है जिसमें मांग की गई है कि सभी ग्राम पंचायतों में कार्यरत पेसा मोबिलाइजरों का मानदेय लोकसभा चुनाव के संकल्प पत्र के अनुसार 4 हजार रुपए की जगह 8 हजार रुपए किया जाए। महिला पेसा मोबिलाइजरों को 6 माह का मातृत्व अवकाश दिया जाए। मानदेय का भुगतान जनपद पंचायत के माध्यम से प्रतिमाह किया जाए वर्तमान में 4-6 माह में मानदेय दिया जा रहा है। पेसा मोबिलाइजरों को पेसा ग्राम सभा के पदेन सचिव का दायित्व देकर पदमुद्रा की मान्य सभी कार्यालीन दस्तावेजों में अनिवार्य किया जाए।

मनोरी में उल्टी दस्त से पीड़ित हैं दर्जनों लोग, स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही

उल्टी दस्त से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, जादू टोना के शक में पड़ोसी की हत्या..!

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अंध विश्वास और टोना टोटके की लाईलाज बीमारी चरम पर हैं, यदि कोई बीमार होता है तो बजाय अस्पताल जाने के गुनिया पंडो के मढ़िया में जाकर झाड़ फूंक कर उपचार कराते हैं, जिससे असमय मौत होने पर पड़ोसियों पर टोना टोटका कर मारने का शक करते हुए दुश्मनी पाल लेते हैं। कुछ ऐसा ही मामला अमरपुर चैकी अंतर्गत ग्राम पंचायत मनोरी में सामने आया है, कुछ दिनों पहले उल्टी दस्त से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई थी, म्रतक गुलाब सिंह, पत्नी झमल्ल बाई एवं गुलाब की माँ का निधन कुछ दिनों पहले ही हुआ था, जिसको लेकर गुलाब सिंह के परिवार के लोग हरे सिंह परस्ते पर टोना टोटका करने का शक करते थे। गांव के ही हरे सिंह पिता कड़की उम्र 40 वर्ष को कल शाम गांव के कुछ लोगो द्वारा रस्सी में बांध कर घर से निकाला गया था, हरे सिंह की आज सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने पर म्रतक के भाई महासिंह ने एफआईआर दर्ज कराई है,म्रतक के परिजन गाँव के कुछ लोगो के विरूद्ध हत्या का आरोप लगा रहे हैं। घटना की जानकारी लगते ही अमरपुर चैकी प्रभारी अतुल हरदहा मौके पर पहुंच कर पंचनामा व आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पीएम कराने समनापुर भेजा गया है, पुलिस ने लगभग 6,8 संदेहियों से पूँछ ताछ करते हुए जांच में जुटी हैं।

इनका कहना है

जादू टोना व तंत्र मंत्र के शक में युवक की हत्या करने का मामला है, संदिग्धों से पूँछ ताछ की जा रही हैं।
-अतुल हरदहा, चैकी प्रभारी अमरपुर

शिक्षा, स्वास्थ्य समेत किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ ने सीएम के नाम सौंपा 6 सूत्रीय ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। डिंडौरी जिले के किसानों की समस्याओं के निदान के लिए लगातार भारतीय किसान संघ कार्य कर रही है, इन दिनों शहपुरा विकासखंड अंतर्गत बहुत सारी समस्याएं हैं जिसमें 6 मुद्दों को लेकर भारतीय किसान संघ तहसील शहपुरा के अध्यक्ष प्रमोद मौर्या के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम पर तहसीलदार शहपुरा को ज्ञापन सौपा गया, जिसमें विलगडा मध्यम परियोजना के अंतर्गत बने बांध तक जाने के लिए रोड की व्यवस्था की जाए साथ ही बांध के किनारे रेलिंग की व्यवस्था की जाए आज तक लगभग 10 से 15 मवेशियों की सुरक्षा घेरा न लगने के कारण उनकी मौत हो गई है। ग्राम पंचायत रंनगाव के पोषक ग्राम भुरका टोला में जल संसाधन विभाग द्वारा कैनाल के नीचे छोटी पुलिया लगाई गई है जिसके कारण पानी का बहाव ना होने से पानी पलटने से किसानों के खेतों में पानी चली जाती है साथ ही नजदीक बने कुएं में पानी का भराव हो जाने से ग्रामीण लोग दूषित पानी पीने के लिए मजबूर हैं । डिंडौरी जिले के तहसील शहपुरा अंतर्गत चार-पांच विक्षिप्त प्राणी घूम रहे हैं उनकी सरकार के द्वारा समुचित व्यवस्था किया जाए। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा में चार-पांच

वर्षों से एंबुलेंस खराब स्थिति में खड़ी हुई है आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस की सुविधा प्राप्त नहीं हो पाती तत्काल ऐसे एंबुलेंस को सुधार किया जाए। विकासखंड शहपुरा अंतर्गत प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में भोजन मिड डे मील के अंतर्गत बच्चों को भोजन परोसा जा रहा है जिसमें कीड़े-मकोड़े मिलने की सूचना मिल रही है ऐसी स्थिति में विद्यालय में शिक्षक को भोजन की टेस्टिंग करवाने के बाद बच्चों को भोजन दिलवाया जाए । इसी प्रकार जनपद पंचायत शहपुरा के अंतर्गत ग्राम मरवारी में 23 लाख रुपए की लागत से बने पर्कॉयलेशन टैंक के बेस्ट वेयर का हिस्सा पहली बारिश में ही फूट गया है, जिससे टैंक में भरा हुआ पानी व मालवा किसानों के खेतों में भर गया है जिससे किसानों के खेत में लगी फसल नष्ट हो गई है ऐसी स्थिति में ऐसे किसानों के सर्वे कर उन्हें तत्काल मुआवजा दिया जाए ।

जिले के विभिन्न ग्रामों मे आयोजित हुए आयुष्मान कैंप

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 7 जनवरी 2023 को मुख्य सचिवों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान एस्पिरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम लान्च किया। यह कार्यक्रम भारत के दूरस्थ और कम विकसित ब्लॉकों में नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता और सेवा वितरण को बढाने के लिए शासन में सुधार पर केन्द्रित है। यह मौजूदा योजनाओं को एकजुट करने परिणामों को परिभाषित करने और अंतरालों को पाटने के लिए उनकी लगातार निगरानी के माध्यम से किया जाता है। भारत के 27 राज्यों और 4 केन्द्र शासित प्रदेशों में 500 ब्लाकों की पहचान की है। जिसमें मध्यप्रदेश के 42 विकासखंडों को शामिल किया गया है। जिला डिंडौरी अंतर्गत 3 विकासखंड बजाग, करंजिया एवं मेंहदवानी का चयन किया गया है। प्रत्येक ब्लॉक प्रमुख विषयों के तहत वर्गीकृत प्रमुख सामाजिक आर्थिक संकेतकों की निगरानी पर ध्यान केन्द्रित करेगा। शासन के निर्देशानुसार पीव्हीटीजी हितग्राहियों के शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के उद्देश्य से जिले में 13, 15,16 एवं 17 जुलाई 2024 को प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक सभी 45 ग्रामों में निरंतर आयुष्मान कैंप लगाए जा रहे हैं। उक्त शिविर के माध्यम से आज जिले में कुल 237 पात्र हितग्राहियों के प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत आयुष्मान भारत कार्ड बनाये गए। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और अन्य विभाग की टीम के द्वारा कैंप के द्वारा हितग्राहियों को आयुष्मान भारत योजना से लाभांवित किया गया। इस दौरान शिविर दल के द्वारा घर-घर जाकर भी लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाये गए। यह शिविर जिले के सभी पीव्हीटीजी ग्रामों में आयोजित हुए, जिसमें जनपद पंचायत डिंडौरी में ग्राम पंचायत दुहनिया रैयत में सम्मलित ग्राम कुदवारी, बिजौरा, बटौंधा, पडरिया कला, पोंडी माल में सम्मलित ग्राम गोयरा रैयत, दुहनिया रैयत में सम्मलित ग्राम दुहनिया, पडरिया माल में सम्मलित ग्राम गोपालपुर, कुई माल में सम्मलित ग्राम परासी माल, अमनीपिपरिया रैयत में सम्मलित ग्राम अमनीपिपरिया माल, अमनी पिपरिया रैयत में सम्मलित ग्राम भरद्वारा, रामगुडा। जनपद पंचायत बजाग में ग्राम पंचायत चांडा में सम्मलित ग्राम सिलपिडी, पिपरिया माल, चाडा वनग्राम, पिपरिया माल में सम्मलित वनग्राम बौना, खम्हेरा, बिंझौरी माल में सम्मलित ग्राम पचगांव रैयत, भुरसी माल में सम्मलित वनग्राम तरच, खम्हेरा में सम्मलित ग्राम खपरीपानी, खम्हेरा में सम्मलित ग्राम शीतलपानी, सारंगपुर माल, बरसोद माल में सम्मलित ग्राम अतरिया रैयत। जनपद पंचायत करंजिया में ग्राम पंचायत खारीडीह, झनकी रैयत में सम्मलित ग्राम पांडपुर, उमरिया रैयत में सम्मलित ग्राम कुटेलीदादर, पंडरीपानी में सम्मलित ग्राम लदरादादर, पंडरीपानी में सम्मलित ग्राम कांदाटोला, चकमी माल में सम्मलित ग्राम बोयरहा, उफरी माल में सम्मलित ग्राम तरवरटोला। जनपद पंचायत मेंहदवानी में ग्राम पंचायत मेंहदवानी, डोकरघाट, डुलहरी। जनपद पंचायत समनापुर में ग्राम पंचायत अजगर, चांदरानी, सरई माल, देवलपुर में सम्मलित ग्राम सिमरधा, फिटारी, समनापुर, पिपरिया, फिटारी में सम्मलित ग्राम रंजरा। जनपद पंचायत शहपुरा में ग्राम पंचायत कारीगढहरी माल में सम्मलित ग्राम चाटी, देवरी कला, दल्का खम्हरिया में सम्मलित ग्राम टिकरा खम्हरिया। जनपद पंचायत अमरपुर में ग्राम पंचायत सिधौली, घेवरी रैयत में शिविर आयोजित किए गए।

जिले के विभिन्न ग्रामों में आयोजित हुए रेवा हेल्थ कैंप

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार प्रत्येक शनिवार जिले में "रेवा हेल्थ कैंप" का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज आयोजित रेवा कैंप के दौरान वार्ड नं. 04 सब्जी मंडी डिंडौरी, जनपद पंचायत डिंडौरी के ग्राम पडरिया कलाबैगान टोला, जनपद पंचायत अमरपुर के ग्राम मोहनझिर, ग्राम किन्दराबहरा जनपद पंचायत करंजिया, ग्राम पंचायत टिकरिया जनपद पंचायत समनापुर, ग्राम पंचायत बहादुर जनपद पंचायत मेंहदवानी, वार्ड नं. 19शहपुरा, ग्राम पंचायत धनौली जनपद पंचायत शहपुरा में लोगों ने स्वास्थ्य सेवा का लाभ लिया। प्रति शनिवार को आयोजित होने वाला रेवा शिविर के माध्यम से महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग और आयुष विभाग के संयुक्त प्रयासों से स्वास्थ्य सेवायें गाँव गाँव तक पहुंच रही है।आयोजित रेवा हैल्थ कैंप के दौरान 709 लोगों ने उपस्थित हुए। महिला एवं बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के द्वारा 246 बच्चों का वजन किया गया। जिसमें से 8 सेम, 19 मेम, 25 कुपोषित बच्चे, 5 सिकल सेल के मरीजों को चिन्हित किया गया। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा 464 लोगों की जांच कर आवश्यक दवाईयां वितरित की गई तथा आयुष विभाग के द्वारा 232 लोगों की जांच कर दवाईयां वितरित की गई।रेवा स्वास्थ्य कैंप में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कुपोषण निवारण के लिए पोषण प्रदर्शन, शारीरिक माप सेरेपल्स पावडर वितरण किया जा रहा है। जिसमें बच्चों के आयु के अनुसार उचित वृद्धि ना होना, उनमे पोषक तत्व की कमी को प्रदर्शित करता है, बच्चों को चिन्हित करने में बाद आंगनबाडी कार्यकर्ताओं द्वारा निरंतर फॉलोअप लिया जाता है जिससे बच्चे सैम श्रेणी से मैम श्रेणी, मैम श्रेणी से सामान्य श्रेणी में आ रहे है। रेवा स्वास्थ्य कैंप में महिला स्वास्थ्य, माताओं की देखभाल, धात्री माताएँ सहित अन्य लोग भी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें रहे है।महिला एवं बाल विकास विभाग निरंतर

रूप से माताओं और बच्चों के पोषण आहार पर महत्वपूर्ण सलाह देता है,जिससे दवा के साथ स्वस्थ आहार के प्रति जागरूकता बढे। आंगनवाड़ी द्वारा वितरित किया जाने वाला टीएचआर का उपयोग कर विभिन्न व्यंजनों के माध्यम से बच्चों में भोजन के प्रति रूचि बढ़ाई जाती है।रेवा कैंप एक विशेष प्रयास है जिसमें स्वास्थ्य विभाग बीपी शुगर सिकलसेल, एनीमिया, आदि गंभीर रोगों की जाँच कर उनका उपचार कर रहा है। आयुष विभाग द्वारा आयुर्वेदिक दवाएं दी जाती है। शिविर में सीईओ सीडीपीओ, डॉक्टर, पर्यवेक्षक, सीएचओ, सचिव, जीआरएस, कार्यकर्त्ता सहायिका आशा, पंचायत विभाग, राजस्व, कृषि, पीएचई और अन्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।रेवा हेल्थ कैंप के माध्यम से कुपोषण की पहचान की जा रही है, जिसमें बच्चों के आयु के अनुसार उचित वृद्धि ना होना, उनमे पोषक तत्व की कमी को प्रदर्शित करता है, बच्चों को चिन्हित करने में बाद आंगनबाडी कार्यकर्ताओं द्वारा निरंतर फॉलोअप लिया जाता है। रेवा स्वास्थ्य कैंप में महिला स्वास्थ्य, माताओं की देखभाल, धात्री माताएँ सहित अन्य लोग भी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें रहे है। आयुष विभाग वात, पित्त और कफ में संतुलन बनाकर रोगियों का उपचार करता है, जिससे सम्बंधित बीमारियां पूरी तरह ठीक हो सके। महिला एवं बाल विकास विभाग निरंतर रूप से माताओं और बच्चों के पोषण आहार पर महत्वपूर्ण सलाह देता है, जिससे दवा के साथ स्वस्थ आहार के प्रति जागरूकता बढे। आंगनवाड़ी द्वारा वितरित किया जाने वाला टीएचआर का उपयोग कर विभिन्न व्यंजनों के माध्यम से बच्चों में भोजन के प्रति रूचि बढ़ाई जाती है, साथ ही रेवा स्वास्थ्य कैंप में आये सभी लोगों को खिचड़ी का वितरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग बीपी शुगर आदि गंभीर रोगों की जाँच कर उनका उपचार कर रहा है। रेवा कैंप एक साँझा प्रयास है जिसमें सभी विभाग अपनी भूमिका निभा रहे है।

विकासखंड मेंहदवानी के ग्राम बहादुर में संपूर्णता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। शासन के निर्देश अनुसार कलेक्टर विकास मिश्रा के मार्गदर्शन में महत्वाकांक्षी संपूर्णता अभियान कार्यक्रम का आयोजन विकासखंड मेंहदवानी के ग्राम पंचायत बहादुर कार्यक्रम में किया गया।

उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फग्गन सिंह कुलस्ते सांसद मंडला, ओमप्रकाश धुर्वे विधायक विधानसभा क्षेत्र शहपुरा, रामप्रसाद तेकाम जनपद अध्यक्ष मेंहदवानी, सरपंच मातु सिंह, श्रीमती सुषमा धुर्वे उपाध्यक्ष जनपद पंचायत मेंहदवानी, अवध राज बिलैया भाजपा जिलाध्यक्ष, श्रीमती रेखा आर्मो जिला पंचायत सदस्य, श्रीमती जानकी, श्रीमती इंद्रावती धुर्वे, आनंद साहू, दुर्गेश साहू, वीरेंद्र साहू, बद्री साहू, संदीप तेकाम जनपद सदस्य, श्रीमती यशोदा एवं अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिला प्रशासन से अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह, प्रमोद जनपद मेंहदवानी पशु विभाग से पी के शुक्ला, महिला बाल विकास से श्याम सिंगौर और कृषि विभाग से चेतराम अहिरवार स्वास्थ्य विभाग से डॉक्टर मनोज, आरईएस कार्यपालन यंत्री एलएल धुर्वे, जनसंपर्क से चेतराम अहिरवार सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फग्गन सिंह कुलस्ते ने छात्रावास मैदान में पेड़ पौधों का रोपण कर सांसद ने आम का पेड़ लगाए एवं ओमप्रकाश धुर्वे विधायक ने जामुन, अवध राज बिलैया ने आम, श्रीमती इंद्रावती ने आम श्रीमती रेखा आर्मो अमरूद, श्रीमती जानकी परस्ते ने यूके लिप्टिस का पौधे का रोपण किया। इस प्रकार सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पौधारोपण किया संपूर्णता कार्यक्रम में महिला बाल विकास, आयुष विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सिकल सेल, कृषि विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, जनपद पंचायत मेंहदवानी, पशु विभाग, खाद्य विभाग, पंचायत ग्रामीण विभाग, विद्युत विभाग आदि विभागों के स्टॉल लगाकर योजनाओं से आम जनता को लाभान्वित किया। आंकाक्षी विकासखंड के लिए पहचाने गए 6 संकेताक शत प्रतिशत करना है। पहली तिमाही के भीतर प्रसवपूर्व देखभाल के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत, ब्लॉक में लक्षित जनसंख्या के मुकाबले मधूमेह की जांच किए गए व्यक्तियों का प्रतिशत, ब्लॉक में लक्षित जनसंख्या के मुकाबले उच्च रक्तचाप के लिए जांच किए गए व्यक्तियों का प्रतिशत, आईसीडीएस कार्यक्रम के तहत नियमित रूप से पूरक पोषण लेने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत, मृदा नमूना संग्रहण लक्ष्य के विरूद्ध तैयार किए गए मृदा स्वास्थ्य कार्डों का प्रतिशत, ब्लॉक में कुल एसएचजी के मुकाबले रिवॉल्विंग फंड प्राप्त करने वाले एसएचजी का प्रतिशत बढाने के उद्देश्य से 1 जुलाई से 30 सितंबर 2024 तक जिले के 4 विकासखंडों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।स्वास्थ्य विभाग के द्वारा शारीरिक परीक्षण कर सिकिल सेल टेस्ट एवं अन्य बीमारियों का परीक्षण कर, आवश्यक दवाइयां वितरित की गई। आयुष विभाग के द्वारा लोगों को परीक्षण कर आवश्यकता के अनुसार दवाइयां वितरण की। ग्राम बहादुर में आयुष्मान कार्ड 183 में से 182 कार्ड बनाए जा चुके हैं। कृषि विभाग के द्वारा किसानों को बीज वितरण किया। खाद्य विभाग के द्वारा उज्जवला योजना के हितग्राहियों को रसोई गैस सिलेंडर वितरण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फग्गन सिंह कुलस्ते सांसद और विधायक ओमप्रकाश धुर्वे के द्वारा संबल योजना के पांच हितग्राहियों को दो-दो लाख का स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। पेंशन योजनांतर्गत 3 हितग्राही श्रीमती मंगली बाई, श्रीमती सुदरे बाई एवं श्रीमती इंदिया बाई को स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना से तीन हितग्राही सेवाराम, संतोष एवं फूलचंद ग्राम जरहानैझर निवासी को गृह प्रवेश कराया गया। इसी प्रकार ग्राम बहादुर व ग्राम झीरपानी निवासी दस बहनों को मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की भी स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। महिला बाल विकास विभाग के द्वारा गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य पोषण किट वितरण की। अंत में सांसद जी ने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि जनमन योजना एवं अन्य शासकीय योजनाओं का सफलतापूर्वक हितग्राहियों को लाभ पहुंचाया जाए। किसी विभाग या अधिकारी कर्मचारी के द्वारा लाभ दिलाने में लापरवाही की तो उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने अपने संबोधन में कहा की आपके गांव आने जाने हेतु शासन के द्वारा रोड बनाया गया है। आपके कल्याण हेतु बच्चों के जन्म से लेकर मरण तक के हर व्यक्ति को शासन की योजनाओं से लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।विधायक श्री धुर्वे ने कहा कि चिकित्सा की क्षेत्र में सुधार लाने के उद्देश्य गांव-गांव में जिला प्रशासन के द्वारा स्वास्थ्य कैंप लगाए जा रहे हैं। आपके बच्चों एवं आपके लिए आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र निवास प्रमाण पत्र, जनमन पीएम आवास, किसान सम्मान निधि, लाडली बहना, संबल कार्ड ,श्रम कार्ड एवं अन्य बीमा संबंधी योजना से आपको लाभ पहुंचाया जा रहा है। साथ ही राजस्व विभाग द्वारा बटवारा, नामांतरण, सीमांकन खसरा-खतौनी का प्रमाण पत्र समय पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

पनिका हिन्दू समाज की लापता बेटी का मामला

तीन दिन बाद धरना प्रदर्शन करेंगे पनिका हिन्दू समाज

हरिभूमि न्यूज मेंहदवानी। पुलिस थाना मेंहदवानी में शुक्रवार को पनिका हिन्दू समाज के गणमान्य नागरिकों ने पुलिस थाना प्रभारी श्याम सुंदर उसराठे को ज्ञापन सौंपा जिसमें मांग किया गया है कि मेंहदवानी निवासी पनिका हिन्दू समाज की एक बेटी विगत 4 जुलाई से लापता है। लापता बेटी के परिजनों ने नाते रिश्तेदारों तथा परिचितों के यहां पता लगाते रहे परन्तु जब समय अधिक होने लगा तो उन्होंने पुलिस थाना मेंहदवानी में 10 जुलाई को गुमशुदगी दर्ज करा दिया है। दो दिन गुजरने के बाद भी पुलिस द्वारा मामले को गम्भीरता से नहीं लिया जा रहा है जिसके चलते पनिका हिन्दू समाज में नाराजगी व्याप्त है। ज्ञापन के माध्यम से पनिका हिन्दू समाज द्वारा चेतावनी दी गई है कि अगर तीन दिवस में लापता बेटी को ढूंढकर नहीं लाया गया तो धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

8

जबलपुर, रविवार 14 जुलाई 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

मुस्कान व प्रार्थना निबंध प्रतियोगिता में प्रथम

नरसिंहपुर । गत दिवस विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर की छात्रा मुस्कान मिश्रा ने शिशु वर्ग एवं प्रार्थना बाथरे ने तरुण वर्ग में शैक्षिक सत्र 2023-24 में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। दोनों ही प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र तथा साहित्य संस्कृति शिक्षा संस्थान द्वारा भेजी गई है। जिसे संस्था प्राचार्य राकेश कुमार स्थापक प्रभारी प्रधानाचार्य तुलसीराम पाराशर के द्वारा दोनों को प्रदत्त किया गया। छात्राओं को उनकी उपलब्धि पर देवपुत्र पत्रिका का सदस्य चुना गया है। विद्यालय प्रबंध समिति संस्था प्राचार्य, प्रधानाचार्य एवं आचार्य परिवार ने दोनों को शुभकामनाएं प्रदान की।

कलेक्टर द्वारा पीपीओ वितरित

नरसिंहपुर। विगत दिवस कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने माह जून-2024 में विभिन्न कार्यालयों से सेवानिवृत्त हुए 58 शासकीय सेवकों को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पीपीओ वितरित किये। उन्होंने सेवा निवृत्त शासकीय सेवकों को शाल-श्रीफल भेंट कर स्वस्थ एवं सुखद भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। कलेक्टर द्वारा जिन सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को पीपीओ वितरित किये, उनमें वन मंडल अधिकारी नरसिंहपुर के जगदीश प्रसाद शर्मा, बीईओ चांवरपाठा के चंद्रभान साहू, बीईओ करेली के किशोर कुमार शर्मा, श्रीमती ममता शर्मा, श्रीमती सुषमा देवलिया व श्रीमती सुदामा बाई पटेल, बीईओ गोटेगांव के विनोद कुमार पांडेय, ईईआर एबीएस नरसिंहपुर के अन्नीलाल वंशकार, लोक निर्माण विभाग नरसिंहपुर के दयाशंकर मिश्रा, बीईओ नरसिंहपुर के पंचम लाल नामदेव, बीईओ चांवरपाठा के अमर सिंह पटेल व राजकुमार राम, जिला कोषालय नरसिंहपुर के नरेश कुमार दुबे और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नरसिंहपुर के राजेन्द्र कुमार विश्वकर्मा शामिल हैं।

ट्रक ने मारी टक्कर 1 मृत, 1 घायल

नरसिंहपुर। विगत दिवस करेली बाईपास स्थित पेट्रोल पंप के पास क्रॉसिंग के दौरान एक बाइक को किसी ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक घायल हो गया। करेली पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर प्रकरण को जांच में लिया है। घटना में करेली पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान घूरपुर झामर निवासी महेंद्र धानक के रूप में हुई है जबकि उसके साथ गेंदालाल पिता लालचंद धानक सवार था। बताया जाता है कि बाइक सवार गाडरवारा की ओर जाने निकले थे। घटना की सूचना मिलने पर घायलों को इलाज के लिए करेली स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां महेंद्र की मौत की पुष्टि हुई। जिस ट्रक ने टक्कर मारी थी उसका अब तक पता नहीं चल सका है। वहीं बीते गुरुवार की रात ग्राम लिंगा के पास भी जहां डायवर्ट रूट का प्वाइंट हैं वहां दो बाइक में टक्कर हो गई। जिसमें एक बाइक चालक सहित उसकी पत्नी व दो बच्चों को चोट आई। जबकि दूसरी बाइक सवार भी घायल हो गए। हालांकि घायलों के संबंध में करेली पुलिस कह रही हैं।

गोपीलाल राघव का निधन

नरसिंहपुर। नगर के प्रतिष्ठित धर्मपरायण नागरिक शिवाजी वार्ड निवासी गोपीलाल राघव का निधन हो गया है। आप प्रेमशंकर राघव के मंझले भाई विकास, विनोद ,हेमंत राघव के पिताजी एवं कैलाश शरद रितेश राघव के चाचा थे। उनकी अंत्येष्टि आज 14 जुलाई 2024 को सुबह 11 बजे नकटुआ मुक्तिधाम में संपन्न होगी।

स्वस्थ व भविष्य के लिए पौधरोपण जरूरी: मंत्री श्री पटेल

देवरी कला में हुआ वृहद वृक्षारोपण

नरसिंहपुर ।

प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में साढ़े 5 करोड़ पौधों का रोपण किया जा रहा है। आने वाली पीढ़ी के सुरक्षित, स्वस्थ तथा बेहतर जीवन के लिए भी पेड़ों की अत्यंत आवश्यकता है। पर्यावरण को अनुकूल बनाने के लिए पौधे लगाये जायें। इस महत्वाकांक्षी अभियान में समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी मिल रही है।

विभिन्न प्रजाति के रोपे पौधे

मंत्री श्री पटेल ने यह बात रेशम केन्द्र देवरीकलां में एक पेड़ मां नाम अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में कही। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, विधायक श्री महेन्द्र नागेश, पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेंद्र ठाकुर, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, बंटी सलूजा और अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी पौधरोपण किया। उन्होंने यहां शतपर्णी, अमलतास, अशोक, शहतूत, नीम, बादाम के पौधे रोपित किये। आज यहाँ लगभग एक हजार पौधे रोपित करने का लक्ष्य रखा गया है।

उत्पादन की ली जानकारी

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार, सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार ने भी यहाँ पौधारोपण किया। रेशम विभाग के प्रभारी अधिकारी विजय नंदनवार, फील्ड ऑफिसर हरगोबिन्द सिंह राजपूत, स्वाति मिश्रा, जितेन्द्र सिंह मेवाड़ा सहित रेशम विभाग का अमला मौजूद था।

मंत्री श्री पटेल ने रेशम उत्पादन केन्द्र में की जा रही गतिविधियों के बारे में रेशम अधिकारी से जानकारी ली। रेशम अधिकारी ने बताया कि परिसर की लगभग 5 एकड़ भूमि में शहतूत का पौधारोपण किया जा रहा।

मंत्री श्री पटेल ने करेली में किया पौधारोपण

करेली में नेमा समाज द्वारा आयोजित एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कार्यक्रम में प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, लोकसभा सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते व चैधरी दर्शन सिंह, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, विधायकद्वय विश्वनाथ सिंह पटेल एवं महेन्द्र नागेश, पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल, द्वारा पौधे लगाये। इस अवसर पर अशोक, चीकू, अमरूद, आम आदि का पौधरोपण किया। इस दौरान मंत्री श्री पटेल ने कहा कि वृक्ष हैं तो जल है, और जल है तो जीवन है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि यह न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा, बल्कि जल संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके माध्यम से ही हम अपनी भावी पीढ़ी के लिए स्वच्छ जल और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित कर सकेंगे।

शहतूत पौधारोपण का किया अवलोकन

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि इच्छुक कृषकों को अच्छे से ट्रेनिंग देकर रेशम उत्पादन के कार्य से जोड़ा जाए, जिससे उन्हें आमदनी हो और उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर हो सके। साथ ही इसमें स्वसहायता समूह की महिलाओं को भी विशेष तौर पर शामिल किया जाये। उन्हें ऑन फील्ड इसकी ट्रेनिंग भी दी जाये। इस दौरान उन्होंने यहाँ किए जा रहे शहतूत पौधारोपण के कार्य का भी अवलोकन किया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि विभाग द्वारा झिरना रोड स्थित शो रूम में विक्रय के लिए रखे गये सिल्क के कपड़ों की भी प्रदर्शनी लगाई जाए, जिससे इन उत्पादों की बिक्री हो।

जाट महिला सभा का प्रतिभावान छात्र-छात्रा सम्मान समारोह आयोजित

विद्यार्थी अपना जीवन का लक्ष्य तय करें: मंत्री राव

नरसिंहपुर। छात्र- छात्राओं को चाहिए वे अपना लक्ष्य तय करें और इसके लिए कड़ी मेहनत करें। जिससे वे समय पर अपनी मंजिल को प्राप्त कर सकें। उक्त बात प्रदेश सरकार के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने नरसिंहपुर की सरस होटल में आयोजित प्रतिभावान छात्र- छात्रा सम्मान समारोह में कही। यह समारोह जिला जाट महिला महासभा द्वारा आयोजित किया गया। समारोह में मंत्री श्री सिंह ने अपने छात्र जीवन और राजनैतिक जीवन के बारे में बताया और कहा कि आज जो हमें ऊंचाईयां मिली उसमें समाज का बहुत बड़ा योगदान है। मंत्री श्री सिंह ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने भविष्य में क्या बनेंगे और वे टारगेट को कैसे हासिल करेंगे। इसके लिए कड़ी मेहनत करें। बच्चों को अपने सपनों को जरूर पूरा करना चाहिये। उन्होंने उदाहरण के तौर पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के बारे में बताया, उनके द्वारा किये गये कार्यों को विस्तार से बताया। मंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजनों से एक दूसरे को समझने का अवसर मिलता है। राज्यसभा सदस्य श्रीमती माया नारोलिया ने प्रतिभावान छात्र- छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश और केन्द्र सरकार भी शिक्षा के क्षेत्र में नित नये आयाम स्थापित कर रही है। कार्यक्रम में जिला जाट समाज के अध्यक्ष अश्विनी धौरेलिया ने कहा कि निश्चित तौर पर जिला जाट सभा के कार्यक्रम हमेशा रचनात्मक रहे हैं साथ ही श्री धोरेलिया ने जाट युवा मोर्चा के धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों को सराहनीय बताया। प्रारंभ में मॉ सरस्वती एवं भगवान श्री नरसिंह की पूजा अर्चना की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मिथिलेश पटेल जाट ने स्वागत भाषण देते हुए प्रतिवेदन प्रस्तुत किया एवं संचालन उजाला नारोलिया, आभार प्रदर्शन रश्मि जाट ने किया। मंत्री श्री सिंह, राज्यसभा सदस्य श्रीमती माया नारोलिया , जाट समाज के अध्यक्ष अश्विनी धौरेलिया ने कक्षा दसवीं के छात्र- छात्राओं में आकांक्षा बम्हरोलिया, अक्षत सिंह, भूमि जाट, तनवी किलेदार, अर्पिता जाट, प्राची जाट, अवनि ठाकुर, अश्विन जाट, अच्युत ठाकुर एवं कक्षा 12वीं के छात्र- छात्राओं में शुभी किलेदार, अंशिता जाट, अच्युत ठाकुर राजवीर जाट, हिमांशु किलेदार, आयुषी जाट, अनीषा जाट, तनु जाट, पार्थ बम्हरोलिया, अंकित किलेदार, अदिति सरोहा, अंश जाट व समीक्षा जाट को प्रशस्ति पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया।

अशासकीय विद्यालय संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर ।

विगत दिवस नए शैक्षणिक सत्र 2024-24 से शासन की नई नीति छह साल से कम उम्र के बच्चों को पहली कक्षा में प्रवेश से रोक रही है। इसके कारण निजी स्कूलों में समस्या बढ़ गई है। इसे देखते हुए अशासकीय विद्यालय संगठन ने मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री के नाम एक मांग पत्र डिप्टी कलेक्टर मनोज चैरसिया एवं जिला शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार व्यौहार को दिया है। करीब एक दर्जन निजी स्कूलों के प्राचार्य, व्यवस्थापकों ने गुरुवार को दिए अपने ज्ञापन में समस्याएं और इनके निराकरण की मांग की है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा सत्र 2024-2025 से कक्षा पहली में प्रवेश की उम्र 6 वर्ष (30 सितंबर की स्थिति से परिवर्तित करके 1 अप्रेल) कर दी गई है। जिससे पूर्व वर्षों में पूर्व प्राथमिक कक्षाओं (नर्सरी, केजी) में पढ़ने वाल बच्चे छः साल से कम होने के कारण कक्षा पहली में प्रवेश नही ले पा रहे है। चूंकि पूर्व के वर्षों में बच्चों के कक्षा प्रवेश के लिए 30 सितंबर की स्थिति में उम्र की गणना की जाती थी, जिसे इस वर्ष से 1 अप्रैल कर दी गई है। उम्र की गणना 6 माह कम होने से पूर्व वर्षों से अध्ययनरत पूर्व प्राथमिक कक्षाओं के बच्चे कक्षा पहली में प्रवेश नहीं ले पा रहे। मांग की गई कि अन्य अगले तीन वर्षों तक 6 वर्ष की उम्र सीमा में छूट प्रदान की जाए। इसके अलावा शासन द्वारा अशासकीय विद्यालयों को संचालित करने के लिए फायर सेफ्टी की एनओसी जमा करने कहा जा रहा है। वर्तमान किसी भी शासकीय विद्यालयों में फायर सेफ्टी प्लांट नहीं लगा है। जिस प्रकार शासकीय विद्यालयों सेफ्टी उपकरण के माध्यम से सुरक्षा प्रदान की जाती है, उसी प्रकार लगभग सभी अशासकीय विद्यालयों में फायर सेफ्टी उपकरण चालू स्थिति में लगे हुए हैं, जिन्हें समय-समय पर भरवाया जाता है। इसलिए एनओसी की बाध्यता को खत्म किया जाए। सभी विद्यालयों में फायर सेफ्टी के लिए एक नया कालखंड शुरू किया जाए, जिसमें आग सुरक्षा का प्रशिक्षण मिले, ताकि दुर्घटना की आशंका खत्म की जा सके। ज्ञापन में कहा गया कि आरटीई के तहत अध्ययनरत बच्चों के आधार व आईडी सुधार के लिए आप्शन आरटीई पोर्टल पर भोपाल कार्यालय द्वारा खोला गया है। हालांकि बच्चे की समग्र आईडी अंकित करने पर पोर्टल की जानकारी नगरपालिका या ग्राम पंचायत से प्राप्त आईडी की जानकारी मेल नहीं खा रही है। जिससे संबंधित बच्चों का नाम, आधार या आईडी संशोधन नहीं हो पा रहा है। वर्तमान में इस प्रकार की समस्या का हल केवल भोपाल कार्यालय से किया जाता है जिसमें बहुत अधिक समय लगता है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि आरटीई के तहत पूर्व वर्षों से अध्ययनरत कई बच्चे ऐसे हैं, जिनका आधार अपडेट नहीं होने के कारण उनकी फीस प्रतिपूर्ति प्रपोजल नहीं पाए थे। इसलिए पूर्व वर्षों की फीस प्रतिपूर्ति के लिए पोर्टल खोला जाए। शासकीय व अशासकीय विद्यालयों में भेदभाव दूर करने उनकी मांगों की शीघ्र पूर्ति की जाए। ज्ञापन देते वक्त राजेंद्र राजपूत, प्रवीण ब्यौहार, राजीव सुहाने, लक्ष्मीकांत धाकड़, अनिल नेमा, दीपक वर्मा, बसंत सोनी, अनुभव जैन, हरजीत सिंह छावड़ा, तरुणेंद्र सिंह जाट आदि शामिल थे।

मंत्री श्री पटेल ने किया निर्माण का लोकार्पण

नरसिंहपुर।

प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और भारतीय संविधान निर्माण में योगदान देने वाले स्व. हरिविष्णु कामथ के जन्मदिवस के अवसर पर करेली शहर के गणेश वार्ड में बरमान चैराहा करेली से इमलिया तक 276.41 लाख रुपये लागत की 1.50 किमी लम्बाई की सीसी सड़क और एसडीआरएफ के अंतर्गत 78.05 लाख रुपये लागत की पुलिया निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मुझे खुशी है कि स्व. श्री कामथ के जन्मदिन के अवसर पर यह लोकार्पण हुआ है। उन्होंने बताया कि अपने छात्र जीवन के दौरान मेरी मुलाकात कामथ से हुई थी। उन जैसी शख्सियत का एक अलग ही व्यक्तित्व रहा है। हमें उन पर एवं उनके द्वारा किये अभूतपूर्व कार्यों पर गर्व है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री पटेल ने कहा है कि सड़क के निर्माण हो जाने से रहवासियों को काफी राहत मिलेगी। सड़क बनने से ग्रामीण क्षेत्र भी आसानी से जुड़ जायेंगे। यह क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी द्वारा इस सड़क को हरिविष्णु कामथ जी एवं सीएम राइज स्कूल करेली की सड़क को समाज सेवी पूरनलाल राय के नाम पर किये जाने की बात की गई। इस पर मंत्री श्री पटेल ने कहा कि इन दोनों सड़कों के नाम योजना मंडल में भेजने के लिए प्रस्तावित किया जायेगा। पूर्व राज्यसभा सांसद श्री सोनी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इस सड़क व पुलिया की मिली सौगात के लिए सभी को बधाई दी। इस रोड के लिये लोगों को काफी तकलीफ का सामना करना पड़ा है। उन्होंने बताया कि पूर्व विधायक जालम सिंह पटैल के कार्यकाल में यह डामर की सड़क स्वीकृत हुई थी। पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटैल ने कहा कि यह सड़क पूर्णतः क्रांकीट की बनाई गई है। इससे अब बारहमासी आवागमन शीघ्रता एवं आसानी से हो जायेगा। लोगों को अब तकलीफ नहीं होगी। करेली नगर अपनी स्वच्छता रैंकिंग में अच्छे पायदान पर रहा है। स्वच्छता के कार्य यहां हुए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी शेष हितग्राहियों को शीघ्र मिलेगा। केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाएं लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए है। इस अवसर पर करेली नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए लोगों को इसकी बधाई प्रेषित की। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक गोटेगांव श्री महेन्द्र नागेश, उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, करेली नगर पालिका उपाध्यक्ष, अभिलाष मिश्रा, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, राजीव ठाकुर, अन्य जनप्रतिनिधि और नागरिक गण मौजूद थे।

टमाटर फिर हुआ लाल

तेंदूखेड़ा- इन दिनों हरी सब्जियों के भाव काफी ज्यादा होने के कारण आम आदमी से दूर होती नजर आ रही है गर्मियों के समय जिन सब्जियों के दाम काफी कम हुआ करते थे आज वह सातवें आसमान पर जा बैठे हैं। इससे आम मजदूर वर्ग से हरी सब्जियां दूर दूर नजर आ रही है। हरि सब्जियां महंगी होने के पीछे कृषकों को मानना यह है कि अधिक गर्मी के कारण पैदावार ना होना और अनूकूल माहौल ना मिलना माना जा रहा है। गर्मी के समय जो प्याज काफी सस्ती हुआ करती थी।चार सौ रुपए से लेकर पांच सौ रुपए में जो गट्टी मिल जाया करती थी वह अब 1600 से 1800 रुपए में थोक मिल रही है।लोग बरसात के महीने में इकट्ठा खरीद लिया करते थे।अब फुटकर में 60 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है। इसका एक और कारण यह बना हुआ है कि आवक के कुछ समय पूर्व ही अचानक पानी गिर जाने से अधिकांश प्याज खराब हो गई है।बाहर दूसरे जिलों से प्याज आ रही है।यही हाल टमाटर का बना हुआ है। टमाटर दूसरे प्रांतों से आ रहा है। चूंकि इसके पूर्व भी यह 200 रुपए किलो तक पहुंच गया था।अब टमाटर 100 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है।आलू 50 रुपए प्रति किलो के साथ साथ भिंडी 60 भटा 60बरबटी 80 रुपये किलो लौकी 40रूपये नग गिलकी और शिमला एक रेट 80 रुपये किलो मिर्ची 100 रुपए और धनिया 200 रुपये किलो परमल 100 रू. किलो तक बिक रहा है।2 से 3 रुपए प्रति नग नींबू।कठहल 40 रुपये के हिसाब से बिक रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में गंदगी का आलम जेतपुर में डेंगू के छः मरीज मिले

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहित दो जबलपुर रिफर

तेंदूखेड़ा

इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में गंदगी पूर्ण स्थिति के चलते जहां तहां भरे पानी के कारण मच्छरों के पनपने से डेंगू बुखार मरीज सामने आने लगे हैं। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी अनुसार तेंदूखेड़ा से लगे हुए ऊमरपानी ग्राम पंचायत के ग्राम जेतपुर में छः मरीज डेंगू बुखार से पीड़ित पाये गये हैं जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मोहनबाई पटेल और समर ठाकुर को जबलपुर मेडीकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल छः मरीज पीड़ित थे चार को तो ठीक कर लिया गया है लेकिन दो की हालत में सुधार ना होने प्लेट्स गिरने की स्थिति में जबलपुर मेडीकल कालेज भेजना पड़ा है। डेंगू जहां तहां पानी ठहराव के कारण लार्वा से मच्छर पैदा होते हैं ।

स्वास्थ्य विभाग की टीम हुई सजग

डेंगू पीड़ितों की जानकारी लगते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मोर्चा संभाल लिया है। हमारे प्रतिनिधि को ब्लाक मेडीकल आफीसर डा राजकिशोर पटेल ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम के माध्यम से मच्छर मारने की दवा का छिड़काव के साथ स्प्रे करवाया जा रहा है एवं हर घर में जाकर लोगों को सुरक्षा के आवश्यक उपाय बताए जा रहे हैं। लोगों को सलाह दी गई है कि आरो का पानी पिएं या फिर पानी उबालकर पियें घरों के आसपास गंदा पानी जमा ना होने दें साफ सफाई रखें।नांद या पानी की टंकियों में ज्यादा दिनों तक पानी भरकर ना रखें। नालियों की भी नियमित साफ सफाई करते रहें।जल भराव वाले स्थानों पर जला हुआ आयल जरुर डालते रहे। मच्छरदानी का उपयोग करें।

गांव में गंदगी पूर्ण आलम

रोकथाम की दिशा में सर्वे करने गई टीम ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि सबसे बड़ी समस्या यहां पर गंदगी की है। लगातार नालियां साफ ना होने। तथा घरों में लंबे समय से पानी भरा रखा हुआ है। घरों और शौचालयों के आसपास गंदगी बनीं हुई है। यहां पर साफ सफाई का अभाव बना हुआ है। चूंकि यह कोई जेतपुर गांव की ही स्थिति नहीं है बल्कि प्रत्येक गांव में जहां तहां लगे कचडों के ढैर जल स्रोतों के पास पानी भराव कीचड़ युक्त माहौल बना हुआ है। गांव के लोग भी व्यवस्थाओं में सहयोग नहीं करना चाहते हैं। विस्तार का पानी बहाने के साथ सफाई व्यवस्था के लिए ग्राम पंचायत को ही जवाबदेह मान बैठी है। ग्रामीण क्षेत्रों में साफ सफाई को लेकर सजगता की आवश्यकता है।